725

SA - 05

December - Examination 2015

B.A. (Final Year) Examination

नाटक तथा व्याकरण

Paper - SA - 05

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

Note: The Question paper is divided into three sections 'A', 'B' and 'C'. Write Answer as per given instructions.

नोट : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

Section - A $10 \times 2 = 20$

(Very Short Answer Type Questions)

Note: Answer all questions. As per the nature of the question delimit your answer in one word, one sentence or maximum up to 30 words. Each question carries 2 marks.

(खण्ड – अ)

(अति लघु उत्तरात्मक प्रश्न) (अनिवार्य)

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1) (i) अभिज्ञानशाकुन्तलम् में कुल कितने अंक हैं?

(ii) नायिका शकुन्तला की दोनों सखियों के क्या नाम हैं?

(iii) कालिदास के गीतिकाव्य का नाम लिखिए।

(iv) दुर्वासा के श्राप की कल्पना अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक के किस अंक में है?

(v) तारकितम् किस सूत्र से सिद्ध होता है?

(vi) ''अर्थो हि कन्या परकीय एव'' यह कथन किसका है?

(vii) प्रकरण किसे कहते हैं?

(viii) महाभाष्य के प्रणेता कौन थे?

(ix) प्रत्यय किसे कहते हैं?

(x) ''पठ्'' धातु का लृट्लकार उत्तम पुरुष बहुवचन में क्या रूप है?

Section - B

$4 \times 10 = 40$

(Short Answer Questions)

Note: Answer any four questions. Each answer should not exceed 200 words. Each question carries 10 marks.

(खण्ड – ब)

(लघूत्तरीय प्रश्न)

नोट : किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

2) किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिंदी भाषा में कीजिए।

(i) चित्रे निवेश्य परिकल्पितसत्त्वयोगात्
रूपोच्चयेन मनसा विधिना कृता नु।
स्त्रीरत्नसृष्टिपराप्रतिभाति सा मे
धातुर्विभुत्वमनुचिन्त्य वपुश्च तस्याः।।

(ii) विचिन्तयन्ति यमनन्यमानसा तपोधनं वेत्सि न मामुपस्थितम्।
स्मरष्यिति त्वां न स बोधितोऽपि सन् कथां प्रमत्तः प्रथमं कृतामिव।।

3) निम्न में से किसी एक सूत्र को स्पष्ट कीजिए–

(i) इण्–स्तु–शास–वृ–दृ–जुषः क्यप्।

(ii) हलन्त्यम्।

(iii) इकोयणचि।

(iv) शिवादिभ्योऽण्।

4) निम्नलिखित सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए–

(i) ऋहलौर्ण्यत्। (ii) अचो यत्।

(iii) ण्वलतृचौ। (iv) सुप्यजातौ णिनिस्ताच्छील्ये।

5) निम्नलिखित शब्दों की सिद्धि कीजिए–

(i) भवतः। (ii) भवेताम्।

(iii) दण्डी। (iv) कर्ता।

6) निम्न प्रत्यय सूत्रों को सोदाहरण सिद्ध कीजिए–

(i) तुमुनण्वुलौ क्रियायां क्रियार्थायाम्।

(ii) क्त्वो ल्यप्।

7) प्रत्यय के प्रकारों को स्पष्ट कीजिए।

8) ''अभिज्ञानशाकुन्तलम्'' नाटक का सारांश लिखिए।

9) नाटक में पंच प्रकृतियों को स्पष्ट कीजिए।

Section - C

$2 \times 20 = 40$

(Long Answer Questions)

Note: Answer any two questions. You have to delimit your answer maximum 500 words. Each question carries 20 marks.

(खण्ड – स)

(दीर्घ उत्तर वाले प्रश्न)

नोट : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आपको अपने उत्तर को 500 शब्दों में परिसीमित करना है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

10) अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक की नाट्यकला के आधार पर समीक्षा कीजिए।

11) 'काव्येषु नाटकं रम्यं तत्र रम्या शकुन्तला' उक्ति को स्पष्ट कीजिए।

12) अभिज्ञानशाकुन्तलम् के आधार पर दुष्यन्त का चरित्र–चित्रण कीजिए।

13) कृदन्त प्रत्ययों को उदाहरण के साथ स्पष्ट कीजिए।

———